अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई

परीक्षा सत्र : अप्रैल-मई 2021

परीक्षा का नाम : विशारद पूर्ण

विषय : तबला - पखावज (प्रथम प्रश्नपत्र)

दि. 10/10/2021 समय : सुबह 9 से 12 कुल अंक : 75

सूचनाएँ : (१) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखे।
(२) सभी प्रश्नों के अंक समान है।

प्र. 1. बहुविकल्पिय प्रश्न (कोई पंधरह) :- (15)

(1) जाति से कर्नाटक संगीत में कितने तालों की रचना होती हैं ?

(a) 35

(b) 25

(c) 20

(2) कर्नाटक तालपध्दती में किसकी आवश्यकता नहीं हैं ?

(a) निश्चित ठेका

(b) मात्रा

(c) ताली

(3) कर्नाटक तालपध्दती में सबसे कम मात्रह का कौनसा ताल हैं ?

(a) अठ

(b) एक

(c) झंप

Contd.

(4) सबसे ज्यादा मात्राओं का कौनसा ताल कर्नाटक तालपध्दती में हैं ?

(a) मठ

(b) ध्रुव

(c) रूपक

(5) कौनसे ताल का नाम उत्तर भारतीय और कर्नाटक ताल पध्दती में समान मिलता हैं ?

(a) रूपक

(b) अठ

(c) मठ

(6) कर्नाटक तालपध्दती के नुसार तीनताल का स्वरूप कौनसा हैं ?

(a) o o o o

(b) I S I

(c) $\frac{\smile}{0}$ $\frac{\smile}{0}$ $\frac{\smile}{0}$ $\frac{\smile}{0}$

(7) दो तालियों के बीच के भाग की गिनती के लिए विसर्जितम् का प्रयोग किस तालपध्दती में किया जाता हैं ?

(a) उत्तर भारतीय

(b) पं. पलुस्कर

(c) कर्नाटक

(8) किसकी मात्रा बदलकर कर्नाटक तालपध्दती में नए ताल बनाते हैं ?

(a) गुरू

(b) लघु

(c) द्रुत

(9) गतीभेद के कारण कर्नाटक तालपध्दती में कितने ताल निर्माण होते हैं ?

(a) 155

(b) 135

(c) 175

(10) गुरु अंग के लिए कर्नाटक तालपध्दती में कौनसा चिन्ह हैं ?

(a) X

(b) I

(c) S

(11) उत्तर भारतीय तालो में समान विभागोवाले ताल को क्या कहते हैं ?

(a) समपदी

(b) विषमपदी

(c) अर्धसमपदी

(12) धमार ताल के विभागों के नुसार उसे क्या कहते हैं ?

(a) समपदी

(b) अर्धसमपदी

(c) विषमपदी

(13) झूमरा ताल विभागों के नुसार किस प्रकार का ताल हैं ?

(a) विषमपदी

(b) समपदी

(c) अर्धसमपदी

(14) पं. पलुस्कर तालिपी में तीरकीट बोल के हर अक्षर के नीचे कौनसा चिन्ह देना चाहिए ?

(a) ∪

(b) o

(c) ⌣

(15) पं. भातखंडे ताललिपी में तकीट बोल के नीचे कौनसा चिन्ह देना चाहिए ?

(a)

(b)

(c)

(16) ताल की जिस मात्रा से किसी गत या गीत का प्रारंभ किया जाता है उसे क्या कहते हैं ?

(a) जाती

(b) ग्रह

(c) अंग

(17) सशब्द और निशब्द ये दोनो किससे संबंधित हैं ?

(a) क्रिया

(b) ग्रह

(c) जाति

(18) 'धी ना धी धी ना' यह बोल इस ताल की पहचान हैं ?

(a) पंचमसवारी

(b) आडाचौताल

(c) मत्ततात

(19) ताल का मूल स्वरूप कायम रखते हुए ठेके के बोलों को अदल बदल कर बजाया जाता है उसे क्या कहते हैं ?

(a) पल्टा

(b) किस्म

(c) टुकडा

(20) किस वादन प्रकार को रेला का ही रूप माना जाता हैं ?

(a) कायदा

(b) पेशकार

(c) रौ

प्र. 2. (A) **सही या गलत पहचान करे :-** **(5)**

(1) पाश्चात्य वाद्य पर सभी विभागो की मात्रा समान होती हैं।

(2) पाश्चात्य तालो में निश्चित बोल या ठेका नहीं होता हैं।

(3) उत्तर भारतीय तालो के विभाग, बोल और ताली खाली द्वारा पहचाना जाते हैं।

(4) कर्नाटक संगीत में संगत के लिए मृदंग बजाया जाता हैं।

(5) ढोलक बजाते समय कभी-कभी अंगूठे में कडी डालकर बजाते हैं।

(B) सही जोडीयाँ बनाइए :- **(10)**

'अ'	'ब'
(1) कमाली चक्रदार	(1) ठुमरी
(2) बारह मात्रा की तिगुन	(2) $5\frac{1}{3}$ मात्रा
(3) सौलह मात्रा की तिगुन	(3) $9\frac{1}{3}$ मात्रा
(4) दस मात्रा की चौगुन	(4) 4 मात्रा
(5) चौदह मात्रा ताल की आड	(5) त्रिपल्ली
(6) तीन दर्जे की गत	(6) मृदंगा
(7) पाव मात्रा	(7) सम के बाद
(8) यति	(8) $\frac{1}{4}$ मात्रा
(9) अतीत	(9) $2\frac{1}{2}$ मात्रा
(10) दीपचंदी	(10) दूसरे चक्र का पाँचवा 'धा' समपर

प्र. 3. भारतीय शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, लोकसंगीत इन तीन प्रकारों में प्रयुक्त होनेवाले हर एक प्रकार के वाद्योंकी विस्तृत जानकारी लिखे। (15)

प्र. 4. भारतीय संगीत का प्रचलित एक अवनध्द वाद्य और पाश्चात्य संगीत के दो अवनध्द वाद्यों का परिचय लिखे। (15)

प्र. 5. निम्नलिखित प्राणों की विस्तृत जानकारी लिखे। (कोई तीन) :- (15)

(अ) क्रिया

(ब) जाति

(क) यति

(ड) अंग

प्र. 6. निम्नलिखित परिभाषा सोदाहरण लिखे। (कोई तीन) :- (15)
उठान, कमाली चक्रदार, फरमाइशी चक्रदार, किस्म, चौपल्ली।

प्र. 7. लिपीबध्द करे (कोई तीन) :- (15)

(अ) सोलह मात्रा में $1\frac{1}{2}$ दम की तिहाई।

(ब) चौदह मात्रा में बेदम तिहाई। (पलुस्कर तालिपी)

(क) मत्ततात में एक कायदा और उसका एक पल्टा। (पलुस्कर तालिपी)

(ड) रूद्रताल में एक रेला और उसकी तिहाई। (भातखंडे तालिपी)

(ई) झूमरा ताल की तिगुन। (पलुस्कर तालिपी)

प्र. 8. लय और लयकारी का परस्परसंबंध स्पष्ट करे और तीनताल / धमार ताल की आड, कुआड, बिआड लयकारी लिपीवध्द करे। (15)

प्र. 9. निम्नलिखित वाद्यों की जानकारी लिखे (कोई तीन) :- (15)

(अ) हार्मोनियम / शहनाई,

(ब) ढोलक / ढोलकी,

(क) खोल / संबल,

(ड) पखावज / मृदंगम्,

(इ) एकतारा / तानपुरा।

प्र. 10. पं. भातखंडे एवम पं. पलुस्कर ताललिपी पध्दतियों का तुलनात्मक विवेचन सोदाहरण लिखकर एकताल / चौताल को दोनो ताललिपी में लिपीवध्द करे। (15)